Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5102]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2017

हिंदी (HINDI)

सामान्यस्तर : प्रश्नपत्र-1

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—(*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—
संपादक डॉ. रेखा सेठी, डॉ. रेखा उप्रेती।
(*ii*) विजय-मैत्रेयी पुष्पा।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''आधुनिक हिंदी कहानियों में नारी-चेतना की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है।'' पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चीफ़ की दावत' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

2. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'विज़न' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा

डॉ. आभा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

P.T.O.

3. 'अकेली' कहानी में चित्रित समस्या का विवेचन कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न' उपन्यास का डॉ. अजय

(ख) 'विज़न' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

(ग) मैत्रेयी पुष्पा का व्यक्तित्व।

4. हिंदी उपन्यास विधा के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(छ) 'अपना-अपना भाग्य' कहानी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(ज) 'आदमी का बच्चा' कहानी की डौली का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) 'गर्मियों के दिन' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(त) 'हीली-बोन् की बत्तखें' कहानी में नारी व्यथा का चित्रण किस प्रकार हुआ है ?

(थ) 'उमस' कहानी की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''क्यों रोता है बेटा, खुश हो कि बहू मायाजाल से मुक्त हो गई। बड़ी भाग्यवान् थी, जो इतनी जल्द माया-मोह के बंधन तोड़ दिए।''

अथवा

''एक-दो क्षण बाद रोटी के टुकड़े को धीरे-से हाथ से उठाकर आँख से निहारा और अंत में इधर-उधर देखने के बाद टुकड़े को मुँह में इस सरलता से रख लिया, जैसे वह भोजन का ग्रास न होकर पान का बीड़ा हो।''

(ध) ''सब की अपनी जगह होती है। मरीज हैं, तो हम हैं। छोटे कर्मचारी हैं तो हम सफेदपोश हैं और इस जगत् में बुद्धि और ज्ञान की जगह है तो स्त्रियाँ अपना बेहतर परिचय देंगी।''

अथवा

''हमारे पापा ने अपने जीवन में चमत्कार होता कभी देखा नहीं था, इस समय उन्हें अपना क्वार्टर सोने के महल में बदला हुआ दिखाई देने लगा, क्योंकि दौलत का मालिक सामने बैठा था।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5102]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेषस्तर

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपा.—डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपा.—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''विद्यापति की पदावली में माधुर्य और लयात्मकता का बेजोड़ संगम है''—विवेचन कीजिए।

अथवा

''सौंदर्य चित्रण में विद्यापति सिद्धहस्त कवि हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

2. लौकिक प्रेम के द्वारा अलौकिक प्रेम की व्यंजना ही जायसी का मुख्य उद्देश्य प्रतीत होता है।'' सप्रमाण सिद्ध कीजिए।

अथवा

पद्मावत के प्रमुख पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. ''भाषा, संगीत और अलंकारों की दृष्टि से विद्यापति का काव्य अनूठा है'', कथन की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) नागमती वियोग खंड

(2) पद्मावत की भाषा

(3) जायसी की काव्य कला।

4. ''पद्मावत में लोकजीवन के विविध पक्षों का सुंदर चित्रण हुआ है'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) विद्यापति की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) विद्यापति की भाषा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) विद्यापति की सौंदर्य भावना को स्पष्ट कीजिए।

(घ) विद्यापति के काव्य की देन को स्पष्ट कीजिए।

(च) विद्यापति के काव्य में गीत-योजना स्पष्ट कीजिए।

(छ) विद्यापति के काव्य के अलंकारों पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) जमुना के तिर उपबन उदबेगल
फिरि-फिरि तजहि निहारि।
गोरस बेचए अवद्त जाइत
जनि जनि पुछ बनमारि।
तोंहि मतिमान, सुमति, मधुसूदन
बयन सुनह किछु मोरा।
मनइ विद्यापति सुन बर जोबति
बन्ह नन्द किसोरा॥

अथवा

सुनल छलहुँ अपन गृह रे निन्दइ गेलउं सपनाई।
करसौं छुटल परसमनि रे कोन गेल अपनाई।
कत कहबो कत सुमिरष रे हम भरिए गरानि।
आवक धन सौं धनबंती रे कुबजा भेल रानि।

(ब) अद्रा त्याग बीत भुइँ लेइ। मोहि पिय बिनु को आदर देई।
सौने घटा आई चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी।
दादुर मोर कोकिला पीऊ। करहिं बेझ घट रहै न जीऊ।
पुख नक्षत्र सिर उपर आवा। हौं बिनु नाँ मँदिर को छावा॥

अथवा

सौत सुपेती आवै जुड़ी। जानहुँसेज हिंवचल बूडी॥
मकई निसी बिछुरै दिन मिला। हाँ निसिबासर बिरहको किला॥
रैन अकेलि साथ नहिं सखी। कैसे जिऔं बिछोही पँखी॥
बिरह सैयान भँवे तन याँडा। जीयत खोइ मुएँ भहिंप्याँडा॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. भारतीय साहित्यशास्त्र का विकास विस्तारपूर्वक समझाइए ।

2. रस का स्वरूप विशद करते हुए रसनिष्पत्तिविषयक भट्टलोल्लट तथा शंकुक की व्याख्याओं का विवेचन कीजिए ।

3. अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप विशद करते हुए काव्य में अलंकार का स्थान समझाइए ।

4. ''रीतिरात्मा काव्यस्या'' कथन के परिप्रेक्ष्य में रीति सिद्धांत का स्वरूप समझाइए ।

5. 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति समझाते हुए ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद विशद कीजिए ।

6. वक्रोक्ति की परिभाषा लिखते हुए कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार समझाइए ।

P.T.O.

7. आचार्य क्षेमेंद्र का औचित्य विचार समझते हुए औचित्य के विविध भेदों पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) रस के अवयव

(*ii*) वक्रोक्ति का महत्व

(*iii*) ध्वनि और शब्दशक्ति

(*iv*) अलंकार और रस ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5102]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

अथवा

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

अथवा

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

अथवा

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

महत्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर की भक्ति-भावना को विशद करते हुए कबीर के राम का स्वरूप समझाइए।

2. कबीर का विद्रोह और समाज-दर्शन विशद कीजिए।

3. कबीर के धार्मिक विचार सोदाहरण समझाइए।

4. कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

5. कबीर की उलटबाँसियाँ और प्रतीक पद्धति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

P.T.O.

6. कबीर के ब्रह्म, जीव, माया, जगत और मोक्ष संबंधी विचार स्पष्ट कीजिए।

7. कबीर की भाषाशैली पर प्रकाश डालते हुए उनके कवित्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''कबीर गुर गरवा मिल्या, रलि गया आटैं लूँण।
जाति पाँति कुल सब मिटै, नांव धरोगे कोण॥
सतगुर हम सूँ रीझि करि, एक कह्या प्रसंग।
बरस्या बादल प्रेम का भीजि गया सब अंग॥''

(आ) ''बासुरि सुख नाँ रैणि सुख, ना सुख सुपिनै माँहि।
कबीर बिछुट्या राम सूँ ना सुख धूप न छाँह॥
बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।
जीव तरसै तुझ मिलन कूँ, मनि नाहीं विश्राम॥

(इ) आऊँगा न जाऊँगा, न मरुँगा, न जीऊँगा।
गुर के सबद मैं रमि रमि रहूँगा ॥ टेक॥
आप कटोरा आपै थारी, आपै पुरिखा आपै नारी।
आप सदाफल आपै नींबू, आपै मुसलमान आपै हिंदू॥''

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकांड)।

(*ii*) विनयपत्रिका-संपा.—वियोगी हरि।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास के जीवनवृत्त का संक्षिप्त परिचय देते हुए तुलसीदास का हिंदी साहित्य में स्थान निर्धारित कीजिए।

2. तुलसी के मर्यादावाद को मानस के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

3. ''हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य में तुलसीदास का स्थान अनन्य-साधारण है''—विवेचन कीजिए।

4. रामचरितमानस की भाषाशैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

5. रामचरितमानस में निरूपित तुलसीदास के नीतिविषयक विचारों पर प्रकाश डालिए।

6. तुलसी काव्य की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

7. विनयपत्रिका की अलंकार-योजना और छंद-योजना पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) विधु महि पूर मयूषन्हि रवि तप जेतनहि काज।
माँगे बारिद देहिं जल रामचंद्र के राज॥

अथवा

नारि कुमुदिनी अवध रघुपति बिरह दिनेस।
अस्त भएँ विगसत भई निरखि राम राकेस॥
हौंहि सगुन सुभ बिबिधि बिधि बाजहिं गगन निसान।
पुर नर नारि सनाथ करि भवन चले भगवान॥

(ख) गाँव बसत बामदेव, मैं कबहूँ न निहोरे।
अधिभौतिक बाधा भई ते किंकर तोरे॥
बेगि बोलि बलि वरजिये: करतूति कठोरे।
तुलसी दल रूँध्यों यहैं, सठ साखि सिहोरे॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) आषाढ़ का एक दिन।
(*ii*) लहरों के राजहंस।
(*iii*) आधे-अधूरे।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नाटक के तत्वों का सामान्य परिचय दीजिए।

2. मोहन राकेश के नाटकों का सामान्य परिचय दीजिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर नाटक में मोहन राकेश का योगदान स्पष्ट कीजिए।

4. रगमंच की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

5. 'लहरों के राजहंस' नाटक में कथ्य और शिल्प का सुंदर समन्वय हुआ है, स्पष्ट कीजिए।

6. 'आधे-अधूरे' नाटक में मध्यवर्गीय जीवन की विसंगतियों को उजागर किया है—विशद कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(*i*) मोहन राकेश के नाटकों में संघर्ष तत्व
(*ii*) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की अंबिका
(*iii*) 'लहरों के राजहंस' की संवाद योजना।
(*iv*) 'आधे-अधूरे' नाटक की भाषाशैली।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) जो आषाढ़ के मेघों की तरह वर्षों से मेरे अंदर घुमड़ रहा है परंतु बरस नहीं पाता। क्योंकि उसे ऋतु नहीं मिलती, वायु नहीं मिलती, वह कौन-सी रचना है।''

अथवा

कभी एक क्षण के लिए भी चूक जाएँ, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है।

(ख) आप का ब्याह एक यक्षिणी से हुआ है, जो हर समय आपको अपने जादू से चलाती है।

अथवा

'देवी यशोधरा का आकर्षण यदि राजकुमार सिद्धार्थ को बांध सकता, तो क्या आज भी राजकुमार सिद्धार्थ ही न होते ?

(ग) 'वह उतना कुछ कभी तुम्हें किसी एक जगह न मिल पाता इसलिए जिस किसी के साथ भी जिंदगी शुरू करती।'

[5102]-114

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) हरी घास पर क्षण भर।
(*ii*) बावरा अहेरी।
(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अज्ञेय के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उनके काव्य का परिचय दीजिए।

2. नयी कविता की दृष्टि से अज्ञेय के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

3. युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में अज्ञेय की नयी कविता 'हरी घास पर क्षण भर' की समीक्षा कीजिए।

4. ''अज्ञेय का जीवन प्रयोगधर्मा, यायावर एवं अन्वेषणशील रहा है।'' स्पष्ट कीजिए।

5. ''बावरा अहेरी'' की कविताओं में बौद्धिकता के साथ-साथ सहज गीतात्मकता भी है।'' स्पष्ट कीजिए।

6. '' 'कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं में अज्ञेय ने प्राकृतिक प्रतीकों का प्रचुर मात्रा में प्रयोग किया है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. ''अज्ञेय के काव्य में आस्था एवं विश्वास के दर्शन होते हैं।'' पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हाई कुईं,
टटकी कली चंपे की वगैरह तो
नहीं कारण की मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।

(ख) ''कुहरा झीना और महीन, झर-झर पड़े अकासनीम
उजली-लालिम मालती गंध के डोरे डालती,
मन में दुबकी है हुलास ज्यों परछाई ही चोर की—
तेरी बाट अगोरते ये आँखें हुई चकोर की !''

(ग) ''पहले भोर की दो ओस-बूँदें हैं।
अछूती, ज्योतिमय, भीतर द्रवित
मानो विधाता के हृदय में
जग गयी हो भाप करुणा की अपरिमित।''

(घ) ''तुम्हारे साथ मैं भी तो पकड़ में
आ गया हूँ !
एक जाल, जिसमें
तुम्हारे साथ मैं भी बँध गया हूँ।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 5 (सामान्य स्तर)

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तक :—(*i*) कोर्टमार्शल—स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध— सं. मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य— सं. डॉ. तुकाराम पाटील डॉ. नीला बोर्वणकर ।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. कोर्टमार्शल नाटक के कर्नल सूरतसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

''कोर्टमार्शल नाटक वायुसेना के कानून विभाग का खुला चित्रण है ।'' स्पष्ट कीजिए ।

2. 'हजारीप्रसाद द्विवेदी मनुष्य को साहित्य का मूल केंद्र मानते हैं ।' प्रस्तुत कथन के आधार पर अपना मत स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'हिमालय' निबंध के सांस्कृतिक महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

3. यात्रा साहित्य में लेखक की घुमक्कड़ी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'उड़ता, चल कबूतर' की भ्रमणकथा का संक्षेप में विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कोर्टमार्शल नाटक विकाश राय

(ख) कोर्टमार्शल नाटक का संवाद तत्व

(ग) 'साहित्य की संप्रेषणीयता' में भाषा का महत्व

(घ) 'अशोक के फूल' निबंध का व्यंग्य

(ङ) 'टॉलस्टाय के तपोवन में' लेखक के अनुभव

(च) 'यात्रा का रोमांस' का सैद्धान्तिक पक्ष ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(छ) ''यह आत्मा का अहेरी क्या होता है ? कानून की लड़ाई में कहाँ से आ गई आत्मा । यह बंगाली कैप्टन तो झाड़ी के पीछे छिपा चीता है, चीता । और चीते का कभी कोई दोस्त नहीं होता । उसे तो हर हालत में मारना है शिकार को ।''

(ज) ''मैं बाल में से तेल निकालने का सचमुच ही प्रयत्न करता हूँ, बशर्ते वह बालू मुझे अच्छी लग जाए ।''

(झ) ''यद्यपि राजघाट पर टॉलस्टॉय भवन और यासना पोल्याना में गाँधी पुस्तकालय का मेरा स्वप्न अभी कल्पना जगत में ही विद्यमान है तथापि मुझे दृढ़ विश्वास है कि पंद्रह-बीस वर्ष के भीतर ही यह साकार होकर रहेगा ।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2017
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर
(मध्ययुगीन हिंदी काव्य)
(सूरदास, बिहारी, घनानंद)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास। —संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल
(*ii*) रीति काव्यधारा : —संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. प्रकृति चित्रण की दृष्टि से 'भ्रमरगीत' काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'भ्रमरगीत में निर्गुण का खंडन और सगुण का मंडन है।' स्पष्ट कीजिए।

2. 'मुक्तक काव्य' में बिहारी अपने चरम उत्कर्ष पर पहुँचे हैं—सिद्ध कीजिए।

अथवा

'बिहारी की अलंकार-योजना में चमत्कार के साथ-साथ सहृदयता भी है'—इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

3. पठित छंदों के आधार पर घनानंद के सौंदर्य-चित्रण का निरूपण कीजिए।

अथवा

घनानंद की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) सूर की गोपियाँ
(ख) सूर की भाषा
(ग) बिहारी : रीतिसिद्ध कवि
(घ) बिहारी का वियोग-चित्रण
(च) घनानंद और विहारी की तुलना
(छ) घनानंद की अलंकार-योजना।

P.T.O.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) कोऊ आवत है तन स्याम।
वैसेइ पट वैसिय रथ-बैठनि, वैसिय है उर दाम॥
जैसी हुति, उठि तैसिय दौरीं छाँड़ि सकल ग्रह-काम।
रोम पुलक, गदगद भइँ तिहिं छन सोचि, अंग अभिराम॥
इतनी कहत आय गए ऊधो, रही ठगी तिहि ठाम ।
सूरदास प्रभु ह्याँ क्यों आवै, बँधे कुब्जा रस स्याम॥

(आ) नहिं परागु, नहिं मधुर मधु, नहिं विकासु इहि काल।
अली कली ही सौं बँध्यो, आगै कौन हवाल॥

(इ) बहुत दिनान के अवधि-आस-पास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान कौ।
कहि-कहि आवन सँदेसो मनभावन को,
गहि गहि राखति ही दै दै सनमान कौ।
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब न घिरत घनआनंद निदान कौ।
अधर लगे हैं आनि करिकै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान कौ ॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 7

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का परिचय दीजिए।

2. आय.ए. रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद का विवेचन कीजिए।

3. इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. क्रोचे की कलाविषयक धारणा को स्पष्ट करते हुए अभिव्यंजनावाद पर प्रकाश डालिए।

5. प्रतीकवाद की पृष्ठभूमि बताते हुए काव्य सिद्धान्त के रूप में उसका विवेचन कीजिए।

6. काव्य बिंब किसे कहते हैं ? बिंब और प्रतीक में क्या अंतर है।

7. आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए आलोचक के गुणों की चर्चा कीजिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्लेटो का अनुकरण संबंधी विचार।

(ख) उदात्त का स्वरूप।

(ग) अभिव्यंजना और कला का स्वरूप।

(घ) आलोचना के उद्देश्य।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5102]-311

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-9 - सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य—I

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्यनाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पस्तकें :— (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद।

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर।

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. "'श्रद्धा' भारतीय नारी का आदर्श प्रस्तुत करती है।" 'कामायनी' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

2. "'सरोज-स्मृति' कविता में कवि की विवशता, अक्षमता और कुछ न कर पाने की असहायता का गहरा बोध प्रकट होता है।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"'ब्रह्मराक्षस' उस बुद्धिजीवी मध्यवर्गीय आदमी का प्रतीक है जो ज्ञान और सामाजिक व्यवहार में तालमेल नहीं बिठा पाता।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. 'अंधा युग' की कथावस्तु को प्रस्तुत करते हुए उसके प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"'अंधा युग' ने हिंदी रंगमंच को नया आयाम दिया है।" सोदाहरण चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' में प्रत्यभिज्ञा-दर्शन।

(ख) इड़ा का चरित्र-चित्रण।

(ग) 'पटकथा' में भोगा हुआ यथार्थ।

(घ) 'असाध्य वीणा' का भावपक्ष।

(च) 'अंधा युग' का शीर्षक।

(छ) 'अंधा युग' में आधुनिकता बोध।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) "एक नाव थी, और न उसमें डाँडे लगते, या पतवार,
तरल तरंगों में उठ-गिरकर बहती पगली बारंबार।
लगते प्रबल थपेड़े, धुँधले तट का था कुछ पता नहीं,
कातरता से भरी निराशा देख नियति पथ बनी वहीं।"

अथवा

"घिर रहे थे घुँघराले बाल अंस अवलंबित मुख के पास,
नील घनशावक-से सुकुमार सुधा भरने को विधु के पास।
और, उस मुख पर वह मुसक्यान! रक्त किसलय पर ले विश्राम,
अरुण की एक किरण अम्लान अधिक असलाई हो अभिराम।"

(झ) "भीड़ बढ़ती रही।
चौराहे चौड़े होते रहे।
लोग अपने-अपने हिस्से का अनाज
खाकर-निरापद भाव से

बच्चे जनते रहे।
योजनाएँ चलती रहीं
बन्दूकों के कारखानों में
जूते बनते रहे।"

अथवा

"पर उस स्पन्दित सन्नाटे में
मौन प्रियंवद साध रहा था वीणा-
नहीं, स्वयं अपने को शोध रहा था।
सघन निविड़ में वह अपने को
सौंप रहा था उसी किरीटी-तरु को।"

(ट) "माता मत कहो मुझे
तुम जिसको कहते हो प्रभु
वह भी मुझे माता ही कहता है।
शब्द यह जलते हुए लोहे की सलाखों-सा
मेरी पसलियों में धँसता है।"

अथवा

"उस दिन जो अंधा युग अवतरित हुआ जग पर
बीतता नहीं रह-रह कर दोहराता है
हर क्षण होती है प्रभु की मृत्यु कहीं न कहीं
हर क्षण अँधियारा गहरा होता जाता है
हम सब के मन में गहरा उतर गया है युग
अँधियारा है, अश्वत्थामा है, संजय है
है दासवृत्ति; उन दोनों वृद्ध प्रहरियों की
अंधा संशय है लज्जाजनक पराजय है।"

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भाषा व्यवस्था को स्पष्ट करते हुए भाषा व्यवहार पर प्रकाश डालिए ।

2. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं के अंतर्गत वर्णनात्मक एवं ऐतिहासिकता का महत्व समझाइए ।

3. "भाषाविज्ञान की शाखाओं में कोशविज्ञान, व्युत्पत्तिविज्ञान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।" विशद कीजिए ।

4. स्वनविज्ञान की शाखाएँ कौन-कौनसी हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

5. स्वन और स्वनिम का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

6. रूपिम का स्वरूप विशद कीजिए ।

P.T.O.

7. वाक्य की आवश्यकताएँ समझाइए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) समाज भाषाविज्ञान

(ख) शब्द और अर्थ का संबंध

(ग) अर्थ परिवर्तन के कारण

(घ) साहित्य और भाषाविज्ञान के अंग ।

Total No. of Questions—**4**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5102]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 11 : विशेष स्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. आदिकाल के विविध नाम देते हुए नामकरण के विविध आधारों को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रासो काव्य की विषयगत प्रवृत्तियाँ

(ख) विद्यापति की पदावली

(ग) चंदबरदाई ।

2. निर्गुण साहित्य की प्रधान विशेषताओं का विवेचन करते हुए उसमें संत कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) पुष्टिमार्गीय भक्ति

P.T.O.

(च) नीतिसाहित्य का परिचय

(छ) रामचरितमानस ।

3. रीतिकाल का प्रवर्तक आप किसे मानते हैं ? उचित प्रमाण के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) रीतिकाल की सामाजिक पृष्ठभूमि

(झ) रीतिमुक्त कवि घनानंद

(ट) भूषण का वीरकाव्य ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) वीरगाथाकाल की शैलीगत प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ।

(*ii*) विनयपत्रिका किस उद्देश्य से लिखी गई है ?

(*iii*) रीतिमुक्त काव्यधारा का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(1) हिंदी का आदि कवि किसे माना जाता है और क्यों ?

(2) डिंगल और पिंगल से आप क्या समझते हैं ?

(3) सूरदास की प्रमुख **दो** कृतियों के नाम लिखिए ।

(4) तुलसी की भक्ति किस नाम से जानी जाती है ?

(5) लक्षण ग्रंथ किसे कहते हैं ?

(6) घनानंद को स्वच्छंद कवि क्यों कहा जाता है ?

(7) केशवदास द्वारा रचित **दो** काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए ।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

(1) हिंदी साहित्य के आदिकाल का प्रथम कवि कौन है ?

(2) खुमाण रासो के रचयिता कौन हैं ?

(3) चंदायन किसकी रचना है ?

(4) संत काव्यधारा के प्रवर्तक कौन हैं ?

(5) रमैणी किसे कहते हैं ?

(6) भूषण के प्रसिद्ध **दो** ग्रंथों के नाम लिखिए ।

(7) हिंदी के प्रमुख रीतिकार कौन हैं ?

(8) रीतिबद्ध कवि का नाम बताइए ।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5102]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 12 : विशेषस्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए ।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी ।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. आलोचना के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए आलोचना के विभिन्न प्रकारों का विवेचन कीजिए ।

2. हिंदी आलोचना के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए ।

3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के हिंदी आलोचना में योगदान को स्पष्ट करते हुए उनकी आलोचना पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति के स्वरूप तथा विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

5. हिंदी आलोचना में डॉ. नंददुलारे वाजपेयी का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

6. 'सर्जनशील साहित्य के लिए आलोचना प्रेरक तथा पूरक है ।' इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

7. डॉ. नामवर सिंह का हिंदी आलोचना में स्थान निर्धारित कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना और अनुसंधान

(ख) आलोचक के गुण

(ग) हिंदी आलोचना में डॉ. नगेंद्र का योगदान

(घ) डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति की विशेषताएँ ।

[5102]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. अनुवाद की परिभाषाएँ देते हुए उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए ।

2. अनुवाद की प्रक्रियागत विभिन्न स्थितियों का विवेचन कीजिए ।

3. अनुवाद के लिखित और मौखिक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

4. किसी एक आधार पर अनुवाद के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए ।

5. अनुवाद की रूपविज्ञान और वाक्यविज्ञान के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए ।

6. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता को समझाते हुए उसमें आने वाली समस्याओं को स्पष्ट कीजिए ।

7. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता, समस्याएँ तथा सीमाओं का विवेचन कीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद–कला या विज्ञान

(ख) अनुवाद कार्य में सहायक साधन

(ग) काव्यानुवाद

(घ) मुहावरों और कहावतों का अनुवाद ।

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी ।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. जनसंचार माध्यम के कार्य और उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

2. भारतीय संचार तकनीकी के लोकतांत्रिक संचार को विशद कीजिए ।

3. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूपों का सामान्य परिचय लिखिए ।

4. जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता – विवेचन कीजिए ।

5. हिंदी पत्रकारिता में प्रिंटमीडिया और रेडिओ की पत्रकारिता स्पष्ट कीजिए ।

6. जनसंपर्क माध्यमों में अनुवाद की आवश्यकता – विश्लेषण कीजिए ।

7. भाषा नियोजन-नीति और भाषा-स्थिरता को विस्तार से लिखिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वाचिक भाषा

(ख) फोटोशॉप

(ग) इंटरनेट

(घ) इलेट्रॉनिक अंतर्ग्रथन ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5102]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर-प्रश्नपत्र 13

आधुनिक काव्य—II

(खण्डकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :—(*i*) कितने प्रश्न करूँ—ममता कालिया

(*ii*) युगधारा—नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज—संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र' ।

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. ''सीता का चरित्र, उसके प्रति समाज और उसके जीवन-साथी का आचरण बार-बार पुनर्विवेचना की माँग करता है ।'' 'कितने प्रश्न करूँ' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' खंडकाव्य के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

2. ''नागार्जुन की रचनाएँ जन-संघर्षों को बल देती हैं ।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नागार्जुन के काव्य की भावगत एवं शिल्पगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

3. ''गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं की मुख्य जमीन प्रेम, नारी-सौंदर्य और प्रकृति-सौंदर्य की है जिसके केंद्र में सुख-सुविधा सम्पन्न अभिजात्य व्यक्ति है ।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

''भवानीप्रसाद मिश्र की कविताएँ व्यक्ति, समाज, देश की स्थितियों का आकलन भावनात्मक स्तर पर करती हैं ।'' स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) 'कितने प्रश्न करूँ' में प्रतीक योजना ।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' की प्रासंगिकता ।

(*ii*) नागार्जुन के काव्य का शिल्प पक्ष ।

अथवा

'भिक्षुणी' कविता का आशय ।

(*iii*) 'बौनों की दुनिया' कविता का व्यंग्य ।

अथवा

'मेरे नेता' कविता का यथार्थ ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) तुम लोकपाल, जन-रक्षक,
पर-हित के तुम ही प्रहरी;
मेरा कल्याण न सोचा
जन-निन्दा ही की सोची !
यह कैसी थी मर्यादा
कैसा यह भीषण निर्णय;
असमंजस किया न पलभर
जाना बस निन्दा का भय !

अथवा

नारी को क्या जीवन-भर
यों ही पीड़ित होना है !
शंका से ऊपर नर है
नारी को ही रोना है !
क्या मेरी अग्नि परीक्षा
की पुनरावृत्ति चलेगी;
जब-जब स्वामी चाहेंगे
पत्नी अपनी बलि देगी;

(ख) हाँ बापू, निष्ठापूर्वक मैं शपथ आज लेता हूँ
हिटलर के ये पुत्र-पौत्र जब तक निर्मूल न होंगे—
हिन्दू-मुसलिम-सिक्ख फासिस्टों से न हमारी
मातृभूमि यह जब तक खाली होगी—
सम्प्रदायवादी दैत्यों के विकट खोह
जब तक खंडहर न बनेंगे
तब तक मैं इनके खिलाफ लिखता जाऊँगा ।

अथवा

दुर्गम बर्फानी घाटी में
शत-सहस्र फुट ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल—
के पीछे धावित हो-होकर
तरह तरुण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है
बादल को घिरते देखा है ।

(ग) भूख व्याकुल ताल से ले
मछलियाँ थी जो पकाईं
श्राप के कारण जली ही
वे उछल जल में समाईं
है तभी से साँवली
सुनसान जंगल की किनारी
हैं तभी से ताल की
सब मछलियाँ मनहूस काली ।

अथवा

यह सोच-सोच कर मन जाने का गीत,
यह है दुकान से घर जाने का गीत,
जी नहीं, दिल्लगी की इसमें क्या बात ?
मैं लिखता ही तो रहता हूँ दिन रात ।
तो तरह-तरह के बन जाते हैं गीत ।
जी, रूठ-रूठ कर मन जाते हैं गीत ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Page—**1**

Seat No.	

[5102]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2017

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 14

(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **कुल अंक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय देकर पालि की विशेषताएँ समझाइए।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण करते हुए ग्रियर्सन द्वारा प्रस्तुत वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

3. पूर्वी हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

4. ''हिन्दी के शब्दभंडार में 'तत्सम' शब्दों का अपना महत्व है।''—विशद कीजिए।

5. हिंदी के शब्द निर्माण में उपसर्ग के महत्व पर प्रकाश डालिए।

6. लिंग और कारक की दृष्टि से हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

7. राजभाषा और राष्ट्रभाषा का अंतर स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पैशाची

(ख) पश्चिमी हिंदी

(ग) खरोष्ठी लिपि

(घ) आँकडा-संसाधन।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5102]-413

M.A. (Second Year) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2017
HINDI (हिंदी)
विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 15
(हिंदी साहित्य का इतिहास)
(आधुनिक काल)
(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।
(*ii*) प्रश्न क्रमांक **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।
(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्य साहित्य का परिचय देते हुए फोर्ट विलियम कॉलेज के योगदान को समझाइए।

2. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम को समझाते हुए उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी नाटक के उद्‌भव और विकास का परिचय देते हुए नाटककार लक्ष्मी नारायण मिश्र के योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. भारतेन्दुयुगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

5. छायावादी कविता के उद्‌भव के कारणों को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(1) भारतेन्दुयुगीन गद्य साहित्य का स्वरूप
(2) प्रेमचंदोत्तार युग की हिंदी कहानी
(3) निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(4) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ
(5) प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ
(6) कवि दुष्यंतकुमार।

P.T.O.

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(1) द्विवेदीयुगीन हिंदी साहित्य में सुधारवादी दृष्टि का परिचय दीजिए।

(2) 'नई कहानी' की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

(3) जयशंकर प्रसाद के नाटक साहित्य का परिचय दीजिए।

(4) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का परिचय दीजिए।

(5) प्रयोगवादी कविता की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियों को समझाइए।

(6) कवि गिरिजा कुमार माथुर का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी किस पत्रिका के संपादक थे?

(2) किसी एक आँचलिक उपन्यास और उसके उपन्यासकार का नाम बताइए।

(3) प्रयोगवाद के प्रवर्तक कौन हैं?

(4) 'कामायनी' महाकाव्य के रचनाकार का नाम क्या है?

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5102]-414

M.A. (Part II) (Fourth Semester) EXAMINATION, 2017
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर वैकल्पिक
(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भारतीय साहित्य
(ख) लोक साहित्य
(ग) हिंदी पत्रकारिता

(क) भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय साहित्य की पृष्ठभूमि बताते हुए अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य में उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. ''अनूदित साहित्य भारतीय साहित्य के विकास का परिचायक है'' विस्तार से समझाइये।

3. हिंदी साहित्य के माध्यम से भारतीय मूल्यों को प्रतिपादित कीजिए।

4. 'हयवदन' नाटक में चित्रित समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

5. 'अधूरे मनुष्य' में लेखक ने मानवीय मूल्यों की स्थापना की है, सिद्ध कीजिए।

6. '1084वें की माँ' उपन्यास अभिजात्य वर्ग की समस्या पर प्रकाश डालता है, विशद कीजिए।

P.T.O.

7. 'हिंदी साहित्य में चित्रित ''भारतीयता का समाजशास्त्रीय अध्ययन'', स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का परिचय

(ख) भारतीय साहित्य में चित्रित समाज

(ग) हयवदन में मानवीय मूल्य

(घ) 1084वें की माँ की युवा समस्या।

[5102]-414

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. 'लोक' शब्द को व्युत्पत्ति को समझाते हुए लोकसाहित्य और शिष्टसाहित्य के साम्य-भेद पर प्रकाश डालिए।

2. लोकसाहित्य का सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

3. लोकसाहित्य संकलन की पद्धतियाँ स्पष्ट करते हुए संकनकर्ता की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

4. लोकगीत की परिभाषा देते हुए पोवाडा और लावनी का विवेचन कीजिए।

5. लोकगाथा की परिभाषा एवं स्वरूप को विशद करते हुए 'नल-दमयंती' लोकगाथा का परिचय दीजिए।

6. लोककथा के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक के अंतर को समझाते हुए ''नौटंकी' और 'तमाशा' लोकनाट्य का परिचय दीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) चक्की की ओवियाँ
(ख) यक्षगान और कुचिपुड़ी
(ग) रामलीला और रासलीला
(घ) रसपरिपाक।

[5102]-414

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विश्व पत्रकारिता के उदय को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

2. समाचारपत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया और उसके विभिन्न स्रोत को स्पष्ट कीजिए।

3. दृश्य सामग्री की व्यवस्था को विशद कीजिए।

4. इलेकट्रॉनिक मीडिया में रेडियो की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

5. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

6. संपादकीय फीचर रिपोर्ताज की प्रविधि को विश्लेषित कीजिए।

7. 'भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार'—अपने शब्दों में लिखिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) हिंदी पत्रकारिता का विकास
(ख) साक्षात्कार
(ग) पृष्ठ विन्यास और आमुख
(घ) लोकसंपर्क तथा विज्ञापन।